भारत सरकार
पेट्रोलियम और प्राकृतिक गैस मंत्रालय

लोक सभा
अतारांकित प्रश्न संख्या: 1909
दिनांक 14 दिसम्बर, 2023

तेल और गैस आयात बिल

1909. श्री शंकर लालवानी:
डॉ. भारतीबेन डी. श्यालः
श्रीमती हिमाद्री सिंहः
श्री प्रताप सिम्हा:
श्री प्रदीप कुमार सिंहः
श्री जनार्दन मिश्रः
कुँवर पुष्पेन्द्र सिंह चन्देलः

क्या **पेट्रोलियम और प्राकृतिक गैस** मंत्री यह बताने की कृपा करेंगे किः

(क) क्या यह सच है कि वित्तीय वर्ष 2024 में भारत के तेल और गैस आयात बिलों में उल्लेखनीय गिरावट देखी गई है;

(ख) यदि हां, तो तत्संबंधी ब्यौरा क्या है; और

(ग) भारत जैसे तेल उपभोक्ता देशों की जरूरतों के प्रति तेल आपूर्ति करने वाले देशों को संवेदनशील बनाने के लिए सरकार द्वारा क्या प्रयास किए जा रहे हैं?

उत्तर
पेट्रोलियम और प्राकृतिक गैस मंत्रालय में राज्य मंत्री
(श्री रामेश्वर तेली)

(क) से (ख) जी हाँ, मौजूदा वित्त वर्ष 2023-24 (अप्रैल-अक्टूबर) के दौरान कच्चे तेल और तरलीकृत प्राकृतिक गैस का अनंतिम आयात 6,86,377 करोड़ रुपए है जो पिछले वर्ष में इसी अवधि (8,85,327 करोड़ रुपए) के सम्बन्ध में 22.5% की गिरावट दर्शाता है।

(ग) भारत सरकार देश की ऊर्जा सुरक्षा की हिफाजत करने के लिए तेल आपूर्तिकर्ता देशों के साथ सक्रिय रूप से ऊर्जा कूटनीति के साथ-साथ उत्तरदायी मूल्य निर्धारण और वैश्विक तेल बाजार में स्थिरता के लिए ग्लोबल साउथ के सभी तेल खपतकर्ता देशों के लिए आवाज बुलंद करने में लगा हुआ है। भारत मंत्रिस्तरीय और वरिष्ठ अधिकारियों की बैठक समेत द्विपक्षीय वार्ताओं और अंतरराष्ट्रीय मंचों के माध्यम से तेल के उच्च मूल्यों के सम्बन्ध में निरंतर चिंताएँ व्यक्त करता रहा है। अंतरराष्ट्रीय ऊर्जा एजेन्सी (आईईए) और अंतरराष्ट्रीय ऊर्जा फोरम (आईईएफ) जैसे प्रभावकारी निकायों से बातचीत में भी भारत सक्रियता से प्रतिभागिता करता रहा है।

***